



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्रामाण्य से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 489]
No. 489]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 11, 1985/कार्तिक 20, 1907
NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 11, 1985/KARTIKA 20, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 1985

अधिसूचना

सं. 231/85 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

षा.का.वि. 835 (अ)—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क
नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का
प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग)
की अधिसूचना सं. 65/81-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 25 मार्च, 1981
को अतिरिक्त करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और समक अधिनियम,
1944 (1944 का 1) की मव सं. 16 के अंतर्गत सम्मिलित टाबलरी,
ट्यूबों और पक्षियों की (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त माल' कहा
गया है) उक्त अधिनियम की धारा 2 के अधीन उन पर उक्त अधिनियम
उत्पाद शुल्क के उक्त भाग से जो, उक्त नियमों के नियम 8 के उपनियम
(1) के अधीन जारी की गई और तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य
अधिसूचना के साथ पठित, उक्त पहली अनुसूची के अधीन उक्त माल पर
उदग्रहण्य शुल्क की दर के पचास प्रतिशत दर पर संगणित रुकन
में अधिक है :

1048 G.I. 85

परन्तु यह कि वेणी उपयोग के लिए, भारत सरकार के वित्त
मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 65/81-केन्द्रीय उत्पाद-
शुल्क, तारीख 25 मार्च, 1981 के अनुसार शुल्क की रियायतों दर
पर, और इन अधिसूचना में यथाविवक्षित शुल्क का हान का नहीं
हरे पर—

- (1) विनिर्दिष्ट द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों
से; या,
- (2) एक या अधिक विनिर्दिष्ट द्वारा या उसकी ओर से किसी एक
कारखाने से;

उक्त माल की पहली विक्रयियों का सकल मूल्य दोनो दशाजों में,
किसी वित्तीय वर्ष में, पचास लाख रुपए से अधिक नहीं होगा :

परन्तु यह और कि इस अधिसूचना में अन्विष्ट कृत्—

- (1) किसी विनिर्दिष्ट को लागू नहीं होगा यदि पूर्ववर्ती विनियम
वर्ष के दौरान उसके द्वारा या उसकी ओर से किसी एक या
अधिक कारखानों में, देना उपयोग के लिए, उक्त मद सं.
16 के अंतर्गत सम्मिलित टाबलरी, ट्यूबों या पक्षियों की
विक्रयियों का सकल मूल्य दो बरोड़ रुपए से अधिक हो
गया हो,

(1) यदि पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान किसी एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उसकी या उनकी ओर से, देशीय उपभोग के लिए, किसी कारखाने से, उक्त मद सं. 16 के अंतर्गत सम्मिलित टायरों, ट्यूबों या फ्लैप्स की निकासियों का सकल मूल्य दो करोड़ रुपये से अधिक हो गया हो:

2. जहाँ विनिर्माता ने पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में उक्त माल की निकासी नहीं की है या पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में पहली अगस्त को या उसके पश्चात् उक्त माल की प्रथम बार निकासी की है, तो इस अधिसूचना में अन्तर्निष्ठ छूट ऐसे विनिर्माता को लागू होगी यदि वह उदात्त नेत्रोद्योग-मूलक कलकट्टर के समकक्ष यह घोषणा करता है कि वित्तीय वर्ष के दौरान एक या अधिक कारखानों से, देशीय उपभोग के लिए, उसके द्वारा या उसकी ओर से, उक्त माल की निकासियों का सकल मूल्य दो करोड़ रुपये से अधिक होने की संभावना नहीं है और वित्तीय वर्ष के दौरान निकासी की गई उक्त माल की निकासियों का सकल मूल्य दो करोड़ रुपये से अधिक नहीं है।

2. जहाँ पूर्ववर्ती वर्ष में किसी कारखाने से उक्त माल की निकासी नहीं की गई है या पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में पहली अगस्त को या उसके पश्चात् प्रथम बार निकासी की गई है, वहाँ इस अधिसूचना में अन्तर्निष्ठ छूट लागू नहीं होगी यदि वित्तीय वर्ष के दौरान, एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उसकी या उनकी ओर से देशीय उपभोग के लिए, ऐसे कारखाने से उक्त माल की निकासियों का सकल मूल्य दो करोड़ रुपये से अधिक हो जाता है।

[फा.स. बी-36/85-टी आर यू]
के.एस. वेंकटगिरि, जवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 11th November, 1985

NOTIFICATION

NO. 131/85-CENTRAL EXCISES

S.R. 835(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule (8) of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 65/81-Central Excises, dated the 25th, March, 1981, the Central Government hereby exempts tyres, tubes and flaps, falling under Item No. 16 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as "the said goods"), from so much of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the said Act, as is in excess of the amount calculated at the rate of 50% of the rate of duty leviable on the said goods under the said First Schedule, read with any other notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the said rules and in force for the time being:

Provided that the aggregate value of first clearances of the said goods, for home consumption, at the concessional rate of duty in terms of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 65/81-Central Excises, dated the 25th March, 1981, and at the reduced rate of duty as specified in this notification—

(i) by or on behalf of manufacturer, from one or more factories; or

(ii) from any factory, by or on behalf of one or more manufacturers,

shall not exceed, in either case, rupees fifty lakhs in any financial year.

Provided further that the exemption contained in this notification shall not be applicable,—

(i) to a manufacturer if the aggregate value of clearances of tyres, tubes and flaps, falling under the said Item No. 16, for home consumption, by him or on his behalf, from one or more factories, during the preceding financial year, had exceeded rupees two crores;

(ii) if the aggregate value of clearances of the tyres, tubes and flaps, falling under the said Item No. 16, from any factory, for home consumption, by or on behalf of one or more manufacturers during the preceding financial year, had exceeded rupees two crores:

2. Where a manufacturer has not cleared the said goods in the preceding financial year or has cleared the said goods for the first time on or after the first day of August in the preceding financial year, the exemption contained in this notification shall be applicable to such manufacturer if he makes a declaration with the Assistant Collector of Central Excise that the aggregate value of clearances of the said goods by him or on his behalf, for home consumption, from one or more factories, during the financial year, is not likely to exceed rupees two crores and the aggregate value of clearances of the said goods cleared during the financial year does not exceed rupees two crores.

3. Where the said goods have not been cleared from any factory in the preceding financial year or have been cleared for the first time on or after the first date of August in the preceding financial year, the exemption contained in this notification shall not be applicable, if the aggregate value of clearances of the said goods from such factory, for home consumption, by or on behalf of one or more manufacturers exceeds rupees two crores during the financial year.

[F. No. B-36/85-TRU]

K. S. VENKATAGIRI, Under Secy.